This question paper contains 4 printed pages.

254 आपका अनुक्रमांक _____

B.A. (Prog.) / I Sem. **B**

(T)

HINDI DISCIPLINE— Paper A

हिन्दी अनुशासन — प्रश्नपत्र A

(कथा एवं संस्मरण साहित्य)

(प्रवेश वर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक* : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. हिन्दी कहानी **अथवा** हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव और विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 9

2. संस्मरण और रेखाचित्र का अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिन्दी साहित्य में संस्मरण के विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए। 9

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) जरा सी बंकरी ने आकर सोये हुए विशाल जल-तल की स्थिरता भंग कर दी। हल्की-सी हवा का झोंका जैसे जब जल-तल को थपकता हुआ बहता है, तो उस सारे तल में एक सिहरन-सी होती है, उनमें बँपबँपी उठ जाती है। वैसे ही किसी आवेग के मीठे झोंके ने उनके सोये जीवन के तल पर एक सिहरन-सी फैला दी। कटोरे को जैसे किसी ने बाहर से

P. T. O.

छू दिया, और उसके भीतर का पानी यहाँ वहाँ तक काँप गया।

अथवा

लेकिन इस तरह देखा, निश्चेष्टता से कुछ नहीं होगा। यही होगा कि बाबूजी जीत जायेंगे, कट्टो हार जायेगी। जो हारता रहा है, हारेगा। जो जीतता रहा है वह जीतेगा। और कट्टो इस हार को ही प्राण-पण से स्वीकार कर दूसरे की जीत को खट्टा बना देगी। कट्टो तो जीवन के इस खेल में हार का ही दाँव आगे बढ़ा कर चलती है, इसलिए जो मिलता है उसी में उसकी जीत है।

(*गरख* से)

(ख) झींगुर एक तुच्छ कीड़ा होता है। सैकड़ों-हजारों की तादाद में जब ये एक-एक स्वर होकर आवाज़ करने लगते हैं तो एक अजीब समाँ बँध जाता है। झींगुरों की यह अखण्ड झंकार कई-कई पहर तक चलती रहती है। सामूहिक स्वर की इस एकाग्र महिमा के आगे मेरा मस्तक सदैव नत होता है और होता रहेगा।

अथवा

"सत्याग्रह का संदेश जनता तक पहुँचते-पहुँचते अपवित्र हो गया है। हम जब आध्यात्मिक अस्त्रों का उपयोग आध्यात्मिक तरीकों से नहीं करते तो उनका कुण्ठित हो जाना अनिवार्य हो जाता है। हमारा यह सत्याग्रह अपूर्ण रहा, यही कारण है कि इससे शासकों का हृदय द्रवित नहीं हुआ ....."

(*बाबा बटेसरनाथ* से)

(ग) स्त्री-पुरुष का पारस्परिक प्रेम सम्बंध सहज स्वाभाविक है। वह वर-वधू के लिए नाटक और कुल-वधू के लिए एक चिन्त्य पहेली क्यों बन जाता है? सूर्य के प्रकाश को किसी के लिए

दिन और किसी के लिए रात क्योंकर बतलाया जा सकता है?

अथवा

सदा ध्यान रखना, व्यापारी वस्तुओं से खेलता है उनका दास नहीं बनता। जिस धन को वह मोहान्ध होकर चाहता है उसे भी प्राणों का संकट आने पर बिना उदास हुए तृणवत् छोड़ देता है। प्राणों से अधिक वह अपनी साख चाहता है, साख के लिए प्राण निछावर करता है। व्यापारी सदा मूल को संभालता है। ब्याज का फैलाव घटता-बढ़ता और लुटता भी रहता है। प्रसंग आने पर बुद्धिमान उसकी चिंता छोड़ देते हैं। 9

4. सत्यधन **अथवा** कट्टो का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

बाबा बटेसरनाथ उपन्यास के कथानक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

बाबा बटेसरनाथ उपन्यास का सन्देश स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सुहाग के नूपुर उपन्यास के कथानक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

सुहाग के नूपुर उपन्यास की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर पर रहनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर

देता है, इसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ।"

अथवा

मुझे यह एक भारी दुर्घटना मालूम होती थी। मालूम होता था कि अगर आशुतोष ने चोरी की है तो उसका इतना दोष नहीं है, बल्कि यह हमारे ऊपर बड़ा भारी इलज़ाम है। बच्चे में चोरी की आदत भयावह हो सकती है लेकिन बच्चे के लिए वैसी लाचारी उपस्थित हो आई, यह और भी कहीं भयावह है। यह हमारी आलोचना है। हम उस चोरी से बरी नहीं हो सकते । 8

6. 'पुरस्कार' **अथवा** 'परदा' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

7. नाट्य सम्राट पृथ्वीराज कपूर की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

महादेवी के संस्मरण के आधार पर जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का उल्लेख कीजिए। 15